



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 485]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 1, 2010/भाद्र 10, 1932

No. 485]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 1, 2010/BHADRA 10, 1932

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा-शुल्क बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2010

सं. 28/2010-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 714(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5ख के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा आदेश देती है कि जहां कि किसी निर्धारिती ने 'वायर राइस' से खींच कर बनाये गये तार (एतश्मिन् पश्चात् जिसे अंतिम उत्पाद से संदर्भित किया गया है) जो कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1985 का 5) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 72 के अंतर्गत आता है, पर उत्पाद शुल्क का भुगतान कर दिया है, वहां उक्त अंतिम उत्पाद को बनाने में प्रयुक्त आदान, पूर्जीगत माल, और आदान सेवाओं पर प्राप्त या उपयोग किये गये 'सेनवेट क्रेडिट' को वापस करने की जरूरत नहीं है बावजूद इसके कि 'वायर राइस' से खींच कर तैयार किये जाने वाले तार की प्रक्रिया को माननीय उच्चतम न्यायालय ने 2001 की सिविल अपील सं. 74, 2002 की सी ए सं. 96, 1701, 4206 और 2003 की 1988 के साथ-साथ, जो कि समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बनाम टेक्नोवेल्ड इन्डस्ट्रीज के मामले में 27 मार्च, 2003 को निर्णीत हुआ था, जिसको 2003 (155) ई एल टी 209 (एस सी) में रिपोर्ट किया गया है, में विनिर्माण नहीं माना है, बशर्ते कि :—

- (क) उक्त गैर-वापसी की अनुमति केवल 8 जुलाई, 2004 तक लिए गये सेनवेट क्रेडिट के मामले में ही लागू है;
- (ख) उक्त गैर-वापसी की अनुमति तभी होगी जब उत्पाद शुल्क का भुगतान उक्त अंतिम उत्पाद को हटाने पर किया गया हो ;
- (ग) उक्त निर्धारिती ने उक्त अंतिम उत्पाद पर अपने द्वारा भुगतान किये गये उत्पाद शुल्क की वापसी के लिए दावा नहीं करेगा :

बशर्ते कि 8 जुलाई, 2004 तक तैयार हो गये और निकासी कर दिये गये उक्त अंतिम उत्पाद पर उक्त निर्धारिती द्वारा भुगतान किये गये उत्पाद शुल्क का सेनवेट क्रेडिट, यदि कोई हो, जो कि उक्त अंतिम उत्पाद के क्रेता द्वारा लिया गया हो को वापस करना जरूरी नहीं होगा ।

[फा. सं. 73/01/2010-सी एक्स-4]

मदन मोहन, अवर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Revenue)****(CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st September, 2010

**No. 28/2010-Central Excise (Non Tariff)**

**G.S.R. 714(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 5B of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby orders that where an assessee has paid duty of excise on wires drawn from wire rods (hereinafter referred to as final product), falling under Chapter 72 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), the CENVAT credit taken or utilized, of the duty or tax or cess paid on inputs, capital goods and input services used in the making of the said final product, shall not be required to be reversed, notwithstanding that the process of drawing of wires from wire rods was held as not amounting to manufacture by Supreme Court in Civil Appeal No. 74 of 2001 with C.A. Nos. 96, 1701, 4206, of 2002 and 1988 of 2003, decided on the 27th March, 2003 in the case of Collector of Central Excise Vs. Technoweld Industries, reported in 2003 (155) ELT209(SC), subject to following conditions, namely:—

- (a) the said non-reversal shall be allowed only for the CENVAT credit taken upto the 8th of July, 2004;
- (b) the said non-reversal shall be allowed only when excise duty has been paid on removal of the said final product;
- (c) the said assessee shall not prefer a claim of refund of the excise duty paid by him on the said final product:

Provided that the CENVAT credit, if any, taken by the buyer of the said final product, of the excise duty paid by the said assessee on the said final product made and cleared up to the 8th of July, 2004 shall not be required to be reversed.

[ F. No. 73/01/2010-CX. 4]

MADAN MOHAN, Under Secy.